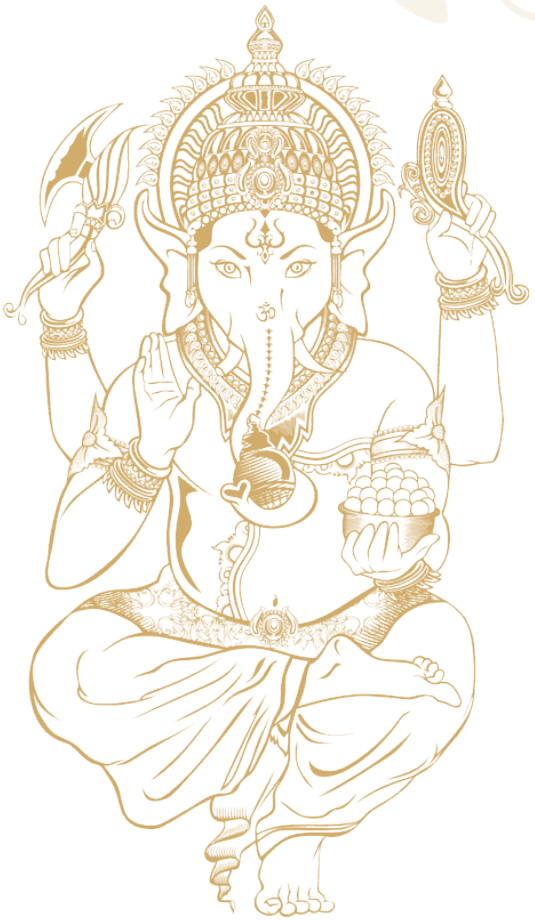

Deepa

23 Jan 2026

01:38 PM

Jaunpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121034904

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**23/01/2026**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**13:38:00 घंटे**
इष्ट	17:08:43 घटी
स्थान	**Jaunpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:44:00 उत्तर
रेखांश	82:41:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:00:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:38:44 घंटे
वेलान्तर	-00:11:47 घंटे
साम्पातिक काल	21:49:27 घंटे
सूर्योदय	06:46:30 घंटे
सूर्यास्त	17:35:57 घंटे
दिनमान	10:49:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	09:06:05 मकर
लग्न के अंश	15:58:58 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	परिघ
करण	बव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दी-दीप्ति
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	15:58:58	366:28:32	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	---
सूर्य			मक	09:06:05	01:01:03	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	02:49:25	13:22:33	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
मंगल		अ	मक	05:44:24	00:46:46	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	उच्च राशि
बुध		अ	मक	10:13:40	01:41:46	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:10:17	00:07:34	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	13:04:45	01:15:24	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	मित्र राशि
शनि			मीन	03:36:17	00:05:20	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु			कुंभ	15:08:26	00:01:29	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	15:08:26	00:01:29	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:17:49	00:00:37	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:41:36	00:01:26	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:11:49	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	00:51:42	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:23

लग्न-चलित

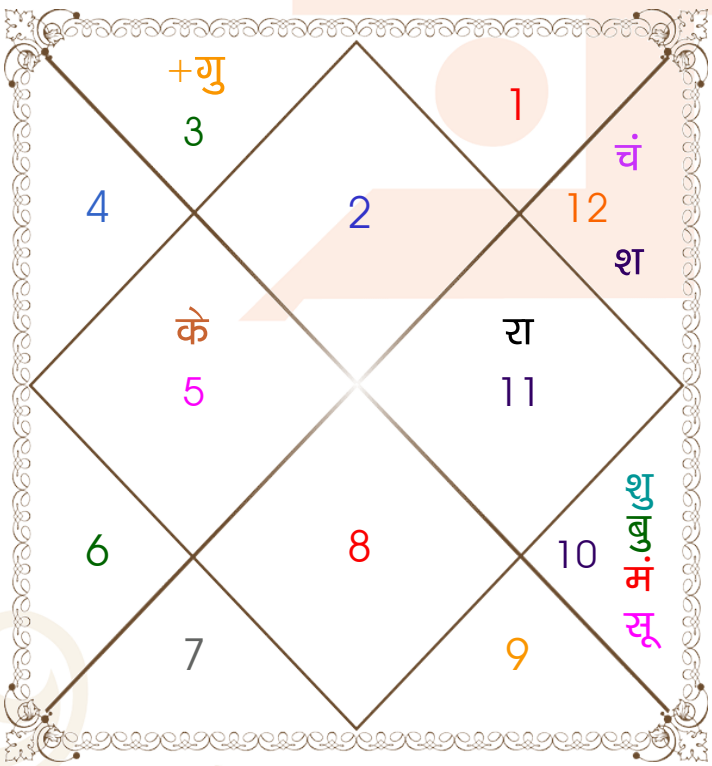

चन्द्र कुंडली

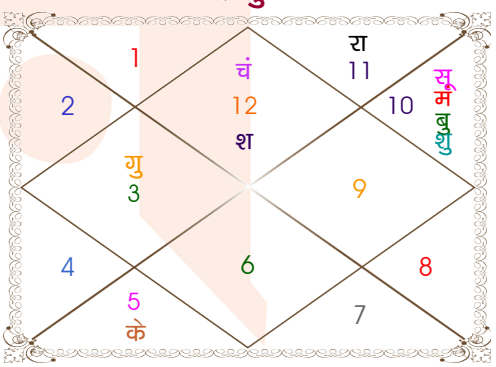

नवमांश कुंडली

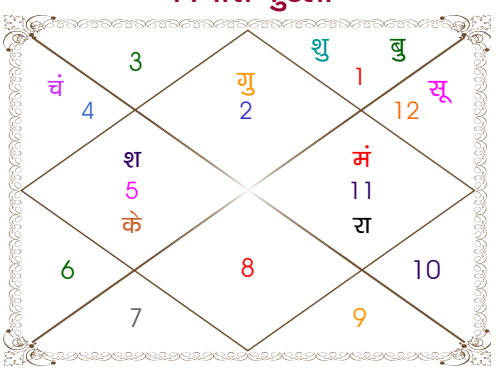

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 0 वर्ष 7 मास 10 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
23/01/2026		04/09/2026		03/09/2045		04/09/2062		03/09/2069	
04/09/2026		03/09/2045		04/09/2062		03/09/2069		03/09/2089	
	00/00/0000	शनि	06/09/2029	बुध	31/01/2048	केतु	31/01/2063	शुक्र	03/01/2073
	00/00/0000	बुध	16/05/2032	केतु	27/01/2049	शुक्र	01/04/2064	सूर्य	03/01/2074
	00/00/0000	केतु	25/06/2033	शुक्र	28/11/2051	सूर्य	07/08/2064	चंद्र	04/09/2075
	00/00/0000	शुक्र	25/08/2036	सूर्य	03/10/2052	चंद्र	08/03/2065	मंगल	03/11/2076
	00/00/0000	सूर्य	07/08/2037	चंद्र	05/03/2054	मंगल	04/08/2065	राहु	04/11/2079
	00/00/0000	चंद्र	08/03/2039	मंगल	02/03/2055	राहु	22/08/2066	गुरु	05/07/2082
	00/00/0000	मंगल	16/04/2040	राहु	18/09/2057	गुरु	29/07/2067	शनि	03/09/2085
	23/01/2026	राहु	21/02/2043	गुरु	25/12/2059	शनि	06/09/2068	बुध	04/07/2088
राहु	04/09/2026	गुरु	03/09/2045	शनि	04/09/2062	बुध	03/09/2069	केतु	03/09/2089

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
03/09/2089		04/09/2095		04/09/2105		04/09/2112		05/09/2130	
04/09/2095		04/09/2105		04/09/2112		05/09/2130		24/01/2146	
सूर्य	22/12/2089	चंद्र	04/07/2096	मंगल	31/01/2106	राहु	18/05/2115	गुरु	23/10/2132
चंद्र	22/06/2090	मंगल	02/02/2097	राहु	19/02/2107	गुरु	11/10/2117	शनि	06/05/2135
मंगल	28/10/2090	राहु	04/08/2098	गुरु	26/01/2108	शनि	17/08/2120	बुध	11/08/2137
राहु	22/09/2091	गुरु	04/12/2099	शनि	06/03/2109	बुध	06/03/2123	केतु	18/07/2138
गुरु	10/07/2092	शनि	05/07/2101	बुध	03/03/2110	केतु	24/03/2124	शुक्र	18/03/2141
शनि	22/06/2093	बुध	05/12/2102	केतु	30/07/2110	शुक्र	24/03/2127	सूर्य	04/01/2142
बुध	29/04/2094	केतु	06/07/2103	शुक्र	29/09/2111	सूर्य	16/02/2128	चंद्र	06/05/2143
केतु	04/09/2094	शुक्र	06/03/2105	सूर्य	04/02/2112	चंद्र	17/08/2129	मंगल	11/04/2144
शुक्र	04/09/2095	सूर्य	04/09/2105	चंद्र	04/09/2112	मंगल	05/09/2130	राहु	24/01/2146

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 0 वर्ष 7 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में जिस समय हुआ जब मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ लग्न, बृषभ नवमांश एवं कन्या द्रेष्काण उदित था। इस दृश्य से यह सूचित हो रहा है कि आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम होकर आपके जीवन के लिए अति सुखद वातावरण में शांतिपूर्ण, जीवन शैली, संपन्नता से युक्त होकर जीवन के कार्यों को संपादन करने का सौभाग्य प्रदान किया है। यथेष्ठ धघ्नादि प्राप्ति हेतु आपको कठिन श्रम, एवं पूर्ण साहस से कार्य संपादन करना होगा। यदि आप अपने कार्य या उद्देश्य के प्रति बहक जाएंगी या जी चुरायेंगी तो प्रचूर मात्रा में यथेष्ठ धन प्राप्ति में कोई प्रश्न चिन्ह लग जाएगा।

आपको व्यक्तिगत रूप से सावधानी पूर्वक अपनी योजना का कार्यान्वयन निश्चित समय पर करना चाहिए। क्योंकि आप अपनी योजना की निश्चित सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी दशा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या गलत संपादन नहीं करना चाहती हैं। आप किसी भी दशा में शीघ्रता पूर्वक कोई निर्णय नही लेती हैं। यद्यपि आप किसी भी विधेयक (प्रस्ताव) को सुंतुलित करके सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे प्रारंभ करती हैं। परंतु आप एक बार पूर्ण रीति से जो तय कर लेती हों उसके अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जारी रखती हैं।

पुनः आप सुंदर एवं समुचित लाभांश प्राप्त करने के लिए उचित मात्रा में अपनी संपत्ति लगाती हैं, तथा जनसामान्य की दृष्टि से अपनी प्रतिष्ठा बचाकर निश्चित समय पर उद्देश्यित लाभ प्राप्त कर लेती हैं।

क्योंकि आप यह जानती हैं कि धन प्राप्त करने के लिए कठिन काम पड़ता हैं तथा अत्यधिक सावधानी पूर्वक संबंधित कार्य में धन लगाती हैं। आप मात्र अनुदार (कंजूसी) भावना की महिला नही हैं। बल्कि आप हर क्षण सच्चाई के रास्ते से धन प्राप्ति की बिंदु पर सचेष्ट रहती हैं।

स्वाभाविक रूप से आप शांति पूर्वक प्रेम करने वाली प्राणी हैं। आप चंदन की तरह रहने वाली तथा पीछे मुडकर नहीं देखती हैं। परंतु यदि पीछे से कोई आपको उत्तेजित कर दें तो पुनः पलटकर उसके पीछे अपनी संपूर्ण शक्ति लगा देते हैं। आप अलग से किसी के साथ शत्रुता नही चाहती यदि कोई आपके साथ क्षणिक शत्रुता करता है तो आप शीघ्र ही उसे भुला देते हैं। यदा-कदा जब आपकी हिंसात्मक प्रवृत्ति हो जाती है, उस क्षण आप अपनी अभिरूचि के अनुसार परिस्थिति को किसी मोड़पर लाकर छोड़ देना उत्तम समझती हैं।

आप में प्रसन्नतम व्यक्तित्व विद्यमान है। आप शारीरिक रूप से स्थूल काय की प्राणी हैं तथा आपकी परिस्थिति वर्त्तमान काल में कोई सामंजस्य के योग्य नही लगती है। स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सदैव ही आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं बहुत अच्छा रहेगा। आप बहुत दिनों तक अपने आनंददायक जीवन की प्रसन्नता से युक्त, रोगरहित, शक्ति संपन्न एवं दीन दुखियों की सहायक होंगी।

आप, सर्दी, कफ, गले के संक्रमण रोग, एवं जोड़ों के दर्द से पीड़ित रह सकती हैं। आपके लिए संबंधित रोगादि में सतर्क रह कर समय-समय पर चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा।

आप जिस कार्य या व्यवसाय को प्रारंभ कर देंगी। उस कार्य में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेंगी। परंतु आप धीरे-धीरे उन्नति प्रदायक कार्य व्यवसाय का चुनाव करना चाहती हैं, तो होटल का कार्य, कृषि कार्य, बस, टैक्सी, ट्रांसपोर्ट, प्रोपर्टी डिलरशिप मोती, रत्नादि के कार्य और आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय करना आपके लिए अनुकूल होगा। आप हर दृष्टि कोण से एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपको अपने भाग्योन्नति हेतु अपनी योजना एवं कार्य कलाप का विचार पूर्वक प्रस्तुत एवं कार्यान्वित करने के लिए निम्नांकित बातों पर ध्यान देना चाहिए।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक हर दृष्टि कोण से प्रदोल्लित करने वाला एवं अनुकूल हैं।

अंक 5 आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल है।